Subject :- Sociology Date :- 18/04/2020

Class :- D-II (H) Paper :- 4th

Topic :- साक्षात्कार प्रविधि के गुण एवं दोष

By :- Dr. Shyamanand Choudhary
Guest Teacher, Marwari college
Darbhanga, 9507941619

Online Study Material No :- (A1)

साक्षात्कार प्रविधि के गुण एवं महत्व

साक्षात्कार प्रविधि के गुण एवं महत्व निम्नलिखित हैं :-

(1) प्रातीतिक एवं वैषयिक सभी तरह के तथ्यों का संकलन → सामाजिक अनुसंधान की सभी प्रविधियों द्वारा प्रातीतिक एवं वैषयिक सभी तरह की समस्याओं से सम्बन्धित तथ्य एकत्र करना संभव नहीं है। उदाहरणस्वरूप, निरीक्षण प्रविधि द्वारा केवल वाह्य रूप से दृष्टि गोचर होने वाले तथ्यों अर्थात् वैषयिक तथ्यों को ही संकलित करना संभव होता है। इसके विपरीत, साक्षात्कार प्रविधि द्वारा सूचनादाताओं से परस्पर वार्तालाप कर प्रातीतिक समस्याओं के बारे में भी सूचना एकत्र करना संभव होता है। G.W. Allport ने भी व्यक्तियों के अनुभवों, संवेगों, प्रेरणाओं, मनोवृत्तियों तथा व्यवहारों के अध्ययन के लिए साक्षात्कार प्रविधि को ही सर्वोत्तम माना है।

Scanned with CamScanner

② भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन संभव → सामाजिक अनुसंधान की कुछ प्रविधियाँ ऐसी हैं जिनके द्वारा भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन करना संभव नहीं है। घटनाओं की पुनरावृत्ति के अभाव में निरीक्षण प्रविधि द्वारा भूतकालीन घटनाओं का अध्ययन संभव नहीं है, इसके विपरीत, साक्षात्कार की प्रविधि द्वारा भूतकालीन घटनाओं का भी अध्ययन संभव होता है। साक्षात्कारकर्ता उत्तरदाता के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित कर उसके जीवन की अतीत की बातें या भूतकालीन घटनाओं के सम्बन्ध में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रश्न पूछकर सूचनाओं को एकत्र कर सकता है।

③ शिक्षित और अशिक्षित सभी तरह के सूचनादाता से सूचना एकत्र करना संभव → सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण की कुछ पद्धतियाँ ऐसी हैं जिनके द्वारा अशिक्षित लोगों से सूचना एकत्रित नहीं की जा सकती। उदाहरणस्वरूप - प्रश्नावली प्रविधि द्वारा केवल शिक्षित लोगों का ही अध्ययन किया जा सकता है। इसके विपरीत साक्षात्कार प्रविधि द्वारा शिक्षित और अशिक्षित सभी तरह के लोगों से परस्पर वार्तालाप के आधार पर सूचना एकत्र की जा सकती है जो इस प्रविधि के एक महत्व को द्योतक है।

④ पारस्परिक प्रेरणात्मक अध्ययन संभव → साक्षात्कार की प्रविधि द्वारा पारस्परिक प्रेरणात्मक अध्ययन संभव है जो इस प्रविधि के महत्व का द्योतक है। इस प्रविधि द्वारा तथ्य संग्रह करने के लिए साक्षात्कारकर्ता एवं सूचनादाता दोनों का आमने-सामने की स्थिति में रहना संभव होता है। ऐसी स्थिति में उत्तरदाता एवं अध्ययन

मनकर्ता के बीच विचारों का आदान-प्रदान होता है तथा दोनों ही एक-दूसरे से प्रेरित एवं उत्साहित होते हैं। इस प्रेरणा के कारण सूचनादाता सही सूचनाएँ प्रस्तुत करता है। साथ ही, जैसे-जैसे बातचित का क्रम आगे बढ़ता है, वैसे वैसे सम्बन्धित बातें प्राप्त होती है तथा बहुत से नये-2 सम्बन्धित पहलू सामने आते हैं जो कि अध्ययन को नया मोड़ प्रदान करते हैं।

⑤ सूचना प्राप्ति की मात्रा अधिक → प्रश्नावली के माध्यम से सूचना एकत्र करने पर उस प्राप्ति की मात्रा कम हो जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कुछ सूचनादाता प्रश्नावली भरकर नहीं लौटाते हैं। इसके विपरीत साक्षात्कार-प्रविधि द्वारा सूचना एकत्र करने के लिए अध्ययनकर्ता सूचनादाता से व्यक्तिगत रूप में सम्पर्क करता है और सभी उत्तरदाता से घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित कर सूचना प्राप्त में सक्षम होता है। अतः इस प्रविधि में सूचना एकत्र करने की मात्रा अधिक होती है।

⑥ अधुरी सूचना संकलित होने की संभावना नहीं → Prof. Elinor ने प्रश्नावली प्रविधि को सूचना एकत्र करने की 'अधुरी प्रविधि' की संज्ञा दी है। इसके विपरीत, साक्षात्कार प्रविधि द्वारा पूर्ण सूचना प्राप्त होती है। यदि सूचनादाता किसी प्रश्न को नहीं समझता है तब उसे विभिन्न ढंग से समझाकर साक्षात्कारकर्ता सूचना एकत्र करता है। अतः इस प्रविधि में अधुरी सूचना एकत्र होने की संभावना नहीं रहती है।

Scanned with CamScanner

(7) विश्वसनीय सूचना प्राप्त करना संभव → प्रश्नावली प्रविधि में सूचना को प्राप्त करना संभव नहीं है (वास्तविक सूचना)। जबकि साक्षात्कार प्रविधि में विश्वसनीय सूचनाएँ प्राप्त होने की संभावना अधिक रहती है।

(8) सूचनाओं का सत्यापन संभव → साक्षात्कार प्रविधि का एक महत्व यह भी है कि इसके द्वारा प्राप्त सूचनाओं का पुनरपरीक्षण करना संभव होता है। इस प्रविधि में स्वतंत्र रूप में खुलकर विचारों का स्पष्टीकरण किया जाता है। फलस्वरूप, एक बार कही गयी बात की सत्यता उसके स्पष्टीकरण में प्रकट हो जाती है। अर्थात् जब उत्तरदाता एक बार कही गयी बात का पुनः स्पष्टीकरण देने लगता है तब हमारे लिए यह जाँच करना संभव होता है कि इसके द्वारा दी गयी सूचनाएँ सही है या नहीं।

साक्षात्कार प्रविधि के दोष अथवा सीमाएँ

साक्षात्कार प्रविधि के निम्नलिखित दोष या सीमाएँ है :-

(i) अधिक समय लगना → चूँकि साक्षात्कार प्रविधि द्वारा सूचना एकत्र करने के लिये प्रत्येक सूचनादाता से व्यक्तिगत सम्बन्ध स्थापित कर सूचना एकत्र करना पड़ता है, अतः यह अत्यधिक समय लेने वाली पद्धति सिद्ध होती है।

(ii) अधिक खर्चीली प्रविधि → इस प्रविधि द्वारा अध्ययन करने पर अधिक समय तक क्षेत्रीय अन्वेषकों तथा क्षेत्रीय पर्यवेक्षकों को तनख्वाह, दैनिक भत्ता, यात्रा भत्ता इत्यादि देना पड़ता है, जिसके कारण

अध्ययन अत्यधिक खर्चीला बन जाता है।

(iii) स्मरण शक्ति पर निर्भरता → साक्षात्कार की कुछ प्रविधियाँ जैसे अनिर्देशित साक्षात्कार प्रविधि (Non-Directive Interview Technique) के माध्यम से सूचना एकत्र करने पर साक्षात्कारकर्ता सूचनादाताओं द्वारा बताये गये मामूली बातों को भी नोट करता है। उनके द्वारा बतायी गयी बातों को वह स्मरण रखने की कोशिश करता है और घर लौटने पर सूचनाओं को लिखता है। प्रत्येक व्यक्ति की स्मरण शक्ति की एक सीमा होती है। अतः संभव है कि अध्ययन के बाद साक्षात्कारकर्ता सूचनादाताओं द्वारा दी गयी सूचनाओं में से बहुत बातों को भूल जाए और गलत नोट कर ले। फलस्वरूप, स्मरणशक्ति पर निर्भरता के कारण एकत्रित आंकड़ों की विश्वसनीयता संदिग्ध बन जाती है जो इसका एक दोष कहा जा सकता है।

(iv) सूचनादाताओं पर निर्भरता → साक्षात्कार प्रविधि द्वारा सूचनाएँ एकत्र करने के लिये अध्ययनकर्ता को सूचनादाता पर पूर्णरूपेण निर्भर रहना पड़ता है। अतः अध्ययनकर्ता को विभिन्न कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

(v) बड़े अध्ययन क्षेत्र के अध्ययन के लिए अनुपयुक्त → चूँकी साक्षात्कार पद्धति अधिक समय लेने वाली और एक महँगी अध्ययन प्रविधि है, अतः इस प्रविधि का उपयोग केवल एक छोटे अथवा सीमित व्यक्तियों के अध्ययन के लिए ही किया जा सकता है जो इसका एक दोष कहा जा सकता है।

S. N. Choudhary
Marwari College, Darbhanga

Scanned with CamScanner